बिहार सरकार ने गया का नाम परिवर्तित कर गया जी किया

चर्चा में क्यों?

बिहार सरकार ने **ऐतिहासिक शहर गया का नाम आधिकारिक तौर पर परिवर्तित कर 'गया जी' कर दिया है**।

- नाम **परिवर्तित करने** का उद्देश्य गया में **धार्मिक पर्यटन को** बढ़ावा देना, अधिक तीर्थयात्रियों और आगंतुकों को आकर्षित करना, **स्थानीय अर्थव्यवस्था को मज़बूत करना तथा आजीविका के अवसर सृजित करना है।**

मुख्य बिंदु

गया जी के बारे में

- **ऐतिहासिक संदर्भ:**
  - **गया प्राचीन** मगध साम्राज्य **का हिस्सा था, जो भारतीय इतिहास में महत्त्वपूर्ण राज्य था।**
  - यह शहर फल्गु नदी के तट पर स्थित है, जो इसके आध्यात्मिक और भौगोलिक महत्त्व को बढ़ाता है।
- धार्मिक महत्त्व:
  - गया एक प्रमुख हिंदू तीर्थ स्थल है, जो विशेष रूप से पितृपक्ष त्योहार के लिये जाना जाता है, जहाँ लाखों लोग अपने पूर्वजों के सम्मान में पिंडदान करते हैं।
  - पौराणिक मान्यता के अनुसार **त्रेता युग में** गयासुर नामक राक्षस ने यहाँ तपस्या की थी और भगवान विष्णु से वरदान प्राप्त कर पुण्यात्मा बन गया था। तब **से इस स्थान का नाम गया पड़ा।**
  - **बोधगया**, गया ज़िले में स्थित है, जहाँ गौतम बुद्ध को **बोधि वृक्ष** के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था।
    - **यह विश्व में सबसे महत्त्वपूर्ण बौद्ध तीर्थस्थलों में से एक है।**
  - यह शहर मंगला-गौरी, शृंग-स्थान, राम-शिला और ब्रह्मयोनि जैसी पवित्र पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

फल्गु नदी

- फल्गु **नदी** गया के पूर्व दिशा में बहती है और केवल **मानसून** के मौसम में ही इसमें पानी रहता है।
- वर्ष के बाकी समय में इसकी नदी का तल सूखा दिखाई देता है, लेकिन गाद (mud) के नीचे पानी पाया जा सकता है।

पितृपक्ष महोत्सव (पितृ पक्ष)

- पितृपक्ष, जिसे पितृ पक्ष या श्राद्ध भी कहा जाता है, आश्विन (सितंबर-अक्तूबर) के **चंद्र माह** के दौरान मनाया जाने वाला 16 दिवसीय हिंदू त्योहार है।
  - यह **पूर्णिमा के दिन शुरू होता है** और अमावस्या के दिन समाप्त होता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/if-bihar-government-remanence-goes-then-it-is-gone